दैनिक भास्कर, 18.02.2020

बिट्स एल्युमनाई दंपती ने रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया, एक मिलियन डॉलर दान किए

1978-83 में अध्ययन कर चुके हैं एल्युमनाई प्रशांत पलकुर्थी

पिलानी | बिट्स एल्युमनी अनुराधा व प्रशांत पलकुर्थी ने बिट्स पिलानी केके बिरला गोवा परिसर में अनुराधा और प्रशांत पलकुर्थी सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया है। एल्युमनाई दंपती ने सेंटर के लिए एक मिलियन डॉलर (करीब सात करोड़ रुपए) का डोनेसन दिया है। एल्युमनाई प्रशांत पलकुर्थी 1978-83 के पूर्व छात्र व रिफ्लेक्सिस सिस्टम्स के संस्थापक है। उन्होने उदघाटन करते हुए कहा कि ये सेंटर शिक्षको को और समृद्ध वाणिज्यिक संस्थाओं को आकर्षित करेगा। सेंटर के चेयर प्रोफेसर अश्विन श्रीनिवासन होंगे। ये सेंटर बिट्स के चारों परिसरों का मैन हब होगा। इसमें प्रोफेसर, शोधकर्ता, छात्र, उद्योग के डोमेन विशेषज्ञ शामिल होंगे। बिट्स पिलानी गोवा कैम्पस के निदेशक प्रो. जी रघुरामा ने कहा कि सेंटर से शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों में सराहनीय सहयोग मिलेगा।

बिट्स एल्युमनाई दंपत्ति ने बिट्स पिलानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च सेंटर का उद्घाटन

पिलानी। बिट्स एल्यूमनी अनुराधा और प्रशांत पलकुर्थी ने बिट्स पिलानी केके बिरला गोवा परिसर में अनुराधा और प्रशांत पलकुर्थी सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च सेंटर के लिए एक मिलियन डॉलर का डोनेशन किया है। बॉस्टन, यूनाईटेड स्टेट के एल्युमनाई दंपत्ति ने सोमवार को इस सेंटर को उद्घाटन किया। एल्युमनाई प्रशांत पलकुर्थी 1978-83 बैच के पूर्व छात्र रिफ्लेक्सिस सिस्टम्स के संस्थापक भी हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में कहा कि हमें उम्मीद है कि सेंटर बुद्धिमान शिक्षकों और समृद्ध वाणिज्यिक संस्थाओं को आकर्षित करेगा।

जो कि बिट्स पिलानी में मौजूद हैं तथा अनुराधा और मुझे विश्वास है कि बिट्सियन अधिक मानवीय उत्कर्ष की दिशा में संचालित परिवर्तन को निर्देशित करेंगी। सेंटर के चेयर प्रोफेसर 1981 बैच के प्रोफेसर अश्विन श्रीनिवासन, कंप्यूटर साइंस विभाग होंगे। बिट्स पिलानी गोवा परिसर में चारों परिसरों को मैन हब होगा। इसमें प्रोफेसर, शोधकर्ताओं, छात्रों, उद्योग के डोमेन विशेषज्ञों आदि शामिल होंगे। बिट्स पिलानी कुलपति प्रो. सौविक भट्टाचार्य ने पालकुर्थिस द्वारा योगदान के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि 'भविष्य में, बिट्स पिलानी के विकास और शैक्षणिक, अनुसंधान आदि में पूर्व छात्रों के योगदान को प्रेरित किया जाएगा। मैं अपने पूर्व छात्रों को सहयोग करने, साझेदार बनाने और केंद्र में काम करने के लिए आमंत्रित करता हूं, जो हमें परिवर्तनशील होने के लिए सबसे आगे रखता है।

निदेशक गोवा परिसर प्रो. जी. रघुरामा ने कहा कि सेंटर से शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। प्रोफेसर आर्य कुमार डीन एल्यूमनाइ रिलेशंस ने इस अनूठी पहल के लिए दंपत्ति का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में कई डीन, विभागों के प्रमुख और सभी बिट्स परिसरों के संकाय सदस्यों की भारी भागीदारी देखी गई। यह सेंटर उद्देश्यों को प्राप्त करने में अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों और उद्योग के साथ मिलकर काम करेगा। यह सेंटर, सीएसआर विनियमों में हाल के बदलावों से लाभान्वित होने के लिए खड़ा है। क्योंकि अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षण संस्थान को वित्त पोषण अब सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दैनिक नवज्योति, 18.02.2020

बिट्स पिलानी में 'बंसत पुस्तक महोत्सव' का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, पिलानी

पिलानी बिट्स पुस्ताकालय में बंसत पुस्तक महोत्व के दौरान जल संरक्षण और उसक पुनः सदुपयोग पर पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया किया गया। बिट्सयंस द्वारा छह पोस्टर प्रस्तुतियां दी गई थी और सभी ने अत्यंत मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन पीनके के पानी को बचाने के लिए अभिनव विचार प्रस्तुत किए। इन पोस्टरों और प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के निर्णायक कमेटी के सदस्य प्रो राजीव गुप्ता, डॉ. आर. पी. पारीक और प्रो. शैलजा नंदीगामा द्वारा किया गया। डॉ. आर.पी. पारीक ने उन सभी प्रतिभागियों और ग्रामीणों का स्वागत किया।

प्रो. राजीव गुप्ता नेजल संरक्षण के महत्व और इसके लाभों के बारे में बताया गया। प्रो. शैलजानंदीगामा ने भी प्रतिभागियों और ग्रामीणों का स्वागत किया। बिट्सयंस ध्रुव गुप्ता, अभिक माथुर, कौस्तुभ अतुल यावलेकर, निखिल जैन, राजबाबू सैकिया, विष्का ने दुनिया के विभिन्न भागों में वर्षा जल संचयन से लेकर जल के पुनः उपयोग तक के अपने विभिन्न विचारों को प्रस्तुत किया है।

इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए 50 से अधिक ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से भाग लिया था और ग्रामीण इलाकों में जल संकट और इसके परिणामों को समझने के लिए बिट्सयंस द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की थी। छात्र राजाबाबू साकिया को जल संरक्षण पर बेहतर प्रस्तुती के लिए 3000 रुपए का प्रथम पुरस्कार दिया गया।